17/3/25 प्रार्थना पत्र मूल वाद के संलग्न पत्री में लिया गया।

वकील वादी / उभयपक्ष उप0। वकील वादी ने वापसी प्रा0 पत्र पेश कर वाद को विड्रा / ~~नॉट प्रेस~~ में खारिज किए जाने का निवेदन किया। अतः पत्रावली को इसी स्तर पर खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसला शुमार नं. से कम कर जाकर दाखिल दफ्तर हो।